

रेल मंत्री (प्रो० मधु दच्छवते) : (क) और (ख). एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ?

(ग) इस कमी को यथासम्भव शीघ्र दूर करने के प्रयास किये जा रहे हैं।

विवरण

(क) पूर्वोत्तर सीमा रेलवे पर 31-3-77 को कर्मचारियों की कुल संख्या इस प्रकार थी :

श्रेणी I	.	.	126
श्रेणी II	.	.	364
श्रेणी III	.	.	33660
श्रेणी IV (सफाई वालों को छोड़कर)	.	.	50299
श्रेणी IV (सफाई वाले)	.	.	5727

(ख) हरिजनों को अनुसूचित जातियों में और आदिवासियों को अनुसूचित जन-जातियों में शामिल किया जाता है। उपर्युक्त पैरा (क) के सामने कर्मचारियों की जो संख्या दिखायी गयी है, उसमें अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के कर्मचारियों की संख्या इस प्रकार थी :

	अनु० जाति	अनु० जन-जाति
श्रेणी I	3	6
श्रेणी II	23	6
श्रेणी III	2910	1016
श्रेणी IV (सफाई वालों को छोड़कर)	6548	2931
श्रेणी IV (सफाई वाले)	4373	13

सीधी भर्ती के कोटे में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कर्मचारियों की संख्या में जितनी कमी थी, वह नीचे दिखायी गयी है :

	अनुसूचित जातियां	अनुसूचित जन-जातियां	जोड़
श्रेणी II	72	92	164
श्रेणी IV	93	139	232

श्रेणी III के कर्मचारियों की संख्या में कमी प्रायः तकनीकी कोटियों में है और इस कमी का कारण उपर्युक्त उम्मीदवारों का उपलब्ध न होना है। श्रेणी IV के कर्मचारियों की संख्या में कमी गैंगमैन की कोटि में है जिसका कारण यह है कि अनुसूचित जन-जाति के उम्मीदवार अपने घरों से दूर जाकर नौकरी करने के इच्छुक नहीं हैं और अनुसूचित जातियों के मामले में कमी रिक्तियों का अभाव होने के कारण है।

Increase in prices of Petrol and Diesel

*20. SHRI P. KANNAN: Will the Minister of PETROLEUM be pleased to state:

(a) whether there has been any further increase in prices of petrol, diesel and other lubricating oils recently; and

(b) if so, the facts thereof?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS & FERTILIZERS (SHRI H. N. BAHUGUNA): (a) and (b). Recently, there has been no increase in the ex-refinery or basic ceiling selling prices of petrol, diesel oil or lubricating oil.

Production by Fertilizer Factories and Requirement of Fertilizers in the country

1. PROF. SHIBBAN LAL SAKSENA: Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) the names of the various fertilizer factories, Government owned and private owned, all over the country with their annual production in each of the last three years;

(b) the names and places of new fertiliser factories under construction with the proposed capacity and the